https://printo.it/pediatric-rheumatology/IN_HI/intro

ड्रग थेरेपी

के संस्करण 2016

11. कोल्चीसीन

11.1 विवरण

कोल्चीसीन दवा सदियों से जानकारी में हैं। यह कोल्चीकम के बीजों से बनती हैं जो की फेमिली लिलिएिसी के फूल वाले पौधों के जीनस के अंतर्गत आता हैं। यह सफेद रक्त कणिकाओं के कार्य तथा संख्या बढ़ने को रोकता है, जिससे सूजन कम होती है।

11.2 डोज / देने का तरीका

यह खाने वाली दवा के रूप में १ - १.५ मिग्रा प्रतिदिनि दी जाती है। कुछ मरीजों में ज्यादा डोज (२ या २.५ मिग्रा प्रतिदिनि) की जरूरत हो सकती हैं। बहुत दुर्लभ रूप से जब दवा ज्यादा डोज में प्रभावी नहीं होती है तब इसे नसों द्दारा दिया जाता हैं।

11.3 दुष्प्रभाव

ज्यादातर बुरे प्रभाव पेट संबंधी होते है जैसे दस्त उल्टी या पेट में दर्द। इन्हें बिना लेक्टोज के भोजन तथा डोज कम करके नियंत्रित किया जा सकता है।

इन तकलीफों से आराम मिलने पर धीरे धीरे डोज को पहले की तरह बढ़ाया जा सकता हैं। कभी कभी रक्त कणिकाओं की संख्या में कमी आ सकती है इसलिए नियमित रूप से खून की जाँच व इसका इलाज होना चाहिए।

मरीज जिनमें गुर्दा व लीवर की समस्या होती है उनमें मांसपेशियों की कमजोरी हो सकती है। दवा बंद करने पर यह ठीक हो जाती हैं।

एक दूसरा बुरा प्रभाव न्यूरोपैथी है जो बहुत दुर्लभ है तथा यह धीरे धीरे ठीक होता है। शरीर पर दाने तथा बालों का झड़ना भी कभी कभी देखा जा सकता हैं।

दवा की बहुत ज्यादा मात्रा लेने पर गंभीर दुष्प्रभाव हो सकते हैं। जिसके लिए अच्छी तरह से इलाज की जरूरत होती है। ज्यादातर यह दुष्प्रभाव ठीक हो जाते हैं लेकिन कभी कभी यह घातक हो सकता है। माता पिता को खास तौर पर ध्यान रखना चाहिए की दवा बच्चों की पहुँच के बाहर हो। फेमिलिअिल मेडटिरेन फीवर में कोल्चीसीन का उपयोग गर्भवस्था में स्त्री रोग

वशिषज्ञ की सलाह से जारी रखा जा सकता है।

11.4 मुख्य उपयोग
फेमलिअिल मेडटिरेन फीवर
बार बार होने वाले पेरीकार्डटिसि

">http://labels.fda.gov http://labels.fda.gov